
Shri Rudrakotishvara Ashtakam

श्रीरुद्रकोटीश्वराष्टकम्

Document Information

Text title : rudrakoTishvarAShTakam

File name : rudrakoTishvarAShTakam.itx

Category : aShTaka, shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail, PSA Easwaran

Description-comments : Subrahmanya Stuti Manjari, Mahaperiaval Trust

Acknowledge-Permission: Mahaperiaval Trust

Latest update : January 28, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 28, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Rudrakotishvara Ashtakam

श्रीरुद्रकोटीश्वराष्टकम्



ॐ श्रीगणेशाय नमः ।

क्षेत्रम् - तिरुक्कुण्ड्रम् Tirukkazhukundram, TN

व्योमानिलानलजलायलयन्द्रसूर्य-

चैतन्यकल्पितशरीरविराजिताय ।

ऋवादि वेदगिरिशङ्कानिकेतनाय

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ १ ॥

कर्पूरशङ्खधवलाकृतियन्द्रकान्त-

मुक्ताकलस्पटिकवह्निपवित्राडाय ।

कस्तूरिकुङ्कुमडिमाम्बुविलेपनाय

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ २ ॥

सौन्दर्यनायकिमुष्णाम्बुजभृङ्गभूत

यन्द्रार्कवह्निनिलयाय सदाशिवाय ।

अग्निमादिदाय करुणामृतसागराय

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ३ ॥

गङ्गाजलाग्रनिलयाय कलामयाय

कामान्धकत्रिपुरदग्धविलेपनाय ।

गङ्गाधराय गरुडध्वजसेविताय

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ४ ॥

गृध्रायलेन्द्रनिलयाय निरीश्वराय

तत्त्वादि सिद्धसुपूजितवन्दिताय ।

सिद्धादि योगपुरुषाय दिगम्बराय

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ५ ॥

पञ्चाक्षराय भवसागरतारणाय

पञ्चास्यथर्मवसनाय परात्पराय ।

पञ्चाक्षराय निगमायलनायकाय

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ६ ॥

वेदान्तमुप्यविभवाय निरीश्वराय

वेदान्तवेद्यसरसाय विद्यक्षेत्राय ।

वेदाय वेददुर्गाय विक्षायनाय

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ७ ॥

आधारशक्तिकुटिलासनपञ्चकाय

ब्रह्माण्डकल्पितकलामयविग्रहाय ।

प्रासाद षोडशकलामय विश्वमूर्ति

श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ८ ॥

एति श्रीरुद्रकोटीश्वराष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail.com,

PSA Easwaran

—
Shri Rudrakotishvara Ashtakam
pdf was typeset on January 28, 2023
—

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

